Est

Chapter 9

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

1

וּבִשְׁנֵים	עָשָׂר	חֹדֶשׁ	הוּא־	חֹדֶשׁ	אֲדָר	בִּשְׁלוֹשָׁה	עָשָׂר	יוֹם	בּוֹ	אֲשֶׁר
और-दो	और-दस	महीने-में	वह	महीना	अदार-का	तीन	और-दस	दिन-को	उसमें	जब
H8147	H6240	H2320	H1931	H2320	H0143	H7969	H6240	H3117		

הִגִּיעַ	דְבַר־	הַמֶּלֶךְ	וְדָתוֹ	לְהֵעָשׂוֹת	בַּיּוֹם	אֲשֶׁר	שִׂבְּרוּ	אֹיְבֵי	הַיְּהוּדִים
आया-समय	आज्ञा	राजा-की	और-उसकी-आज्ञा	पूरी-होने-को	दिन-में	जब-कि	आशा-करते-थे	शत्रु	यहूदियों-के
H5060	H1697	H4428	H1881		H3117			H0341	H3064

לִשְׁלוֹט	בָּהֶם	וְנַהֲפוֹךְ	הוּא	אֲשֶׁר	יִשְׁלְטוּ	הַיְּהוּדִים	הֵמָּה	בְּשֹׂנְאֵיהֶם׃
काबू-करने	उन-पर	और-पलट-गया	यह	कि	काबू-किया	यहूदियों-ने	वे	अपने-बैरियों-पर
H7980		H2015	H1931		H7980	H3064	H1992	H8130

> लोगों को (अदार) नाम के बारहवें महीने की तेरह तारीख को राजा की आज्ञा को पूरा करना था। यह वही दिन था जिस दिन यहूदियों के विरोधियों को उन्हें पराजित करने की आशा थी। किन्तु अब तो स्थिति बदल चुकी थी। अब तो यहूदी अपने उन शत्रुओं से अधिक प्रबल थे जो उन्हें घृणा किया करते थे।

2

נִקְהֲלוּ	הַיְּהוּדִים	בְּעָרֵיהֶם	בְּכָל־	מְדִינוֹת	הַמֶּלֶךְ	אֲחַשְׁוֵרוֹשׁ	לִשְׁלֹחַ	יָד
इकट्ठे-हुए	यहूदी	अपने-नगरों-में	सब	प्रान्तों-में	राजा	अहश्वेरोश-के	डालने	हाथ
H6950	H3064		H3605	H4082	H4428	H0325	H7971	H3027

בִּמְבַקְשֵׁי	רָעָתָם	וְאִישׁ	לֹא־	עָמַד	לִפְנֵיהֶם	כִּי־	נָפַל	פַּחְדָּם	עַל־
उन-पर-जो-चाहते-थे	उनकी-हानि	और	कोई-नहीं	ठहर-सका	उनके-सामने	क्योंकि	गिरा	उनका-भय	पर
H1245		H0376	H3808	H5975	H6440		H5307	H6343	

כָּל־	הָעַמִּים׃
सब	लोगों
H3605	

> महाराजा क्षयर्ष के सभी प्रांतों के नगरों में यहूदी परस्पर एकत्र हुए। यहूदी आपस में इसलिए एकजुट हो गये कि जो लोग उन्हें नष्ट करना चाहते हैं, उन पर आक्रमण करने के लिये वे पर्याप्त सशस्त्र हो जायें। इस प्रकार उनके विरोध में कोई भी अधिक शक्तिशाली नहीं रहा। लोग यहूदियों से डरने लगे।

3

וְכָל־	שָׂרֵי	הַמְּדִינוֹת	וְהָאֲחַשְׁדַּרְפְּנִים	וְהַפַּחוֹת	וְעֹשֵׂי	הַמְּלָאכָה	אֲשֶׁר	לַמֶּלֶךְ
और-सब	अधिकारी	प्रान्तों-के	और-क्षत्रप	और-राज्यपाल	और-सब-करनेवाले	कार्य	का	राजा
H3605	H8269	H4082	H0323	H6346		H4399		H4428

מְנַשְּׂאִים	אֶת־	הַיְּהוּדִים	כִּי־	נָפַל	פַּחַד־	מָרְדֳּכַי	עֲלֵיהֶם׃
सहायता-की	को	यहूदियों-की	क्योंकि	गिरा	भय	मर्दकै-का	उन-पर
H5375	H0853	H3064		H5307	H6343	H4782	

> प्रांतों के सभी हाकिम, मुखिया, राज्यपाल और राजा के प्रबन्ध अधिकारी यहूदियों की सहायता करने लगे। वे सभी अधिकारी यहूदियों की सहायता इसलिए किया करते थे कि वे मोर्दकै से डरते थे।

4

כִּי־	גָדוֹל	מָרְדֳּכַי	בְּבֵית	הַמֶּלֶךְ	וְשָׁמְעוֹ	הוֹלֵךְ	בְּכָל־	הַמְּדִינוֹת	כִּי־	הָאִישׁ
क्योंकि	महान-था	मर्दकै	महल-में	राजा-के	और-उसकी-ख्याति	फैली	सब	प्रान्तों-में	क्योंकि	पुरुष
		H4782		H4428	H8089	H1980	H3605	H4082		H0376

מָרְדֳּכַי	הוֹלֵךְ	וְגָדוֹל׃	פ
मर्दकै	बढ़ता-गया	और-महान	—
H4782	H1980		

> राजा के महल में मोर्दकै एक अति महत्वपूर्ण व्यक्ति बन गया। सभी प्रांतों में हर कोई उसका नाम जानता था और जानता था कि वह कितना महत्वपूर्ण है। सो मोर्दकै अधिक शक्तिशाली होता चला गया।

5

וַיַּכּוּ	הַיְּהוּדִים	בְּכָל־	אֹיְבֵיהֶם	מַכַּת־	חֶרֶב	וְהֶרֶג	וְאַבְדָן	וַיַּעֲשׂוּ
तो-मारा	यहूदियों-ने	सब	अपने-शत्रुओं-को	मार-से	तलवार	और-हत्या	और-विनाश	और-किया
H5221	H3064	H3605	H0341	H4347	H2719	H2027	H0012	
בְשֹׂנְאֵיהֶם	כִּרְצוֹנָם׃							
अपने-बैरियों-के-साथ	जैसा-वे-चाहते-थे							
H8130	H7522							

यहूदियों ने अपने सभी शत्रुओं को पराजित कर दिया। अपने शत्रुओं को मारने और नष्ट करने के लिए वे तलवारों का प्रयोग किया करते थे। जो लोग यहूदियों से घृणा करते थे, उनके साथ यहूदी जैसा चाहते, वैसा व्यवहार करते।

6

וּבְשׁוּשַׁן	הַבִּירָה	הָרְגוּ	הַיְּהוּדִים	וְאַבֵּד	חֲמֵשׁ	מֵאוֹת	אִישׁ׃
—	—	—	—	—	—	सौ	पुरुष
H7800	H1002	H2026	H3064	H0006	H2568	H3967	H0376

शूशन की राजधानी नगरी में यहूदियों ने पाँच सौ लोगों को मार कर नष्ट कर दिया।

7

וְאֵת	פַּרְשַׁנְדָּתָא	וְאֵת	דַּלְפוֹן	וְאֵת	אַסְפָּתָא׃
और	पर्शन्दाता	और	दल्फोन	और	अस्पाता
H0853	H6577	H0853	H1813	H0853	H0630

यहूदियों ने जिन लोगों की हत्या की थी उनमें ये लोग भी शामिल थे: पर्शन्दाता, दल्पोन, अस्पाता,

8

וְאֵת	פּוֹרָתָא	וְאֵת	אֲדַלְיָא	וְאֵת	אֲרִידָתָא׃
और	पोराता	और	अदल्या	और	अरीदाता
H0853	H6334	H0853	H0118	H0853	H0743

पोराता, अदल्या, अरीदाता,

9

וְאֵת	פַּרְמַשְׁתָּא	וְאֵת	אֲרִיסַי	וְאֵת	אֲרִדַי	וְאֵת	וַיְזָתָא׃
और	पर्मश्ता	और	अरीसै	और	अरीदै	और	वैज़ाता
H0853	H6534	H0853	H0747	H0853	H0742	H0853	H2055

पर्मशता, अरीसै, अरीदै और वैजाता।

10

עֲשֶׂרֶת	בְּנֵי	הָמָן	בֶּן־	הַמְּדָתָא	צֹרֵר	הַיְּהוּדִים	הָרָגוּ	וּבַבִּזָּה	לֹא
दसों	पुत्रों	हामान-के	पुत्र	हम्मदाता-के	शत्रु	यहूदियों-के	मारे-उन्होंने	परन्तु-लूट-पर	नहीं
H6235		H2001		H4099		H3064	H2026	H0961	H3808
שָׁלְחוּ	אֶת־	יָדָם׃							
डाला-उन्होंने	को	हाथ							
H7971	H0853	H3027							

ये दस लोग हामान के पुत्र थे। हम्मदाता का पुत्र हामान यहूदियों का बैरी था। यहूदियों ने उन सभी पुरुषों को मार तो दिया किन्तु उन्होंने उनकी सम्पत्ति नहीं ली।

11

בַּיּוֹם	הַהוּא	בָּא	מִסְפַּר	הַהֲרוּגִים	בְּשׁוּשַׁן	הַבִּירָה	לִפְנֵי	הַמֶּלֶךְ׃	ס
दिन-में	उस	लाई-गई	गिनती	मारे-गए-लोगों-की	शूशन-में	राजधानी	सामने	राजा-के	—
H3117	H1931	H0935	H4557	H2026	H7800	H1002	H6440	H4428	

जब राजा ने शूशन की राजधानी नगरी में मारे गये पाँच सौ व्यक्तियों के बारे में सुना तो

12
וַיֹּאמֶר और-कहा H0559
הַמֶּלֶךְ राजा-ने H4428
לְאֶסְתֵּר एस्तेर-से H0635
הַמַּלְכָּה रानी H4436
בְּשׁוּשַׁן शूशन-में H7800
הַבִּירָה राजधानी H1002
הָרְגוּ मारे-हैं H2026
הַיְּהוּדִים यहूदियों-ने H3064
וְאַבֵּד और-नाश-किए H0006
חֲמֵשׁ पाँच H2568
מֵאוֹת सौ H3967
אִישׁ पुरुष H0376
וְאֵת और H0853
עֲשֶׂרֶת दस H6235
בְּנֵי־ पुत्रों
הָמָן हामान-के H2001
בִּשְׁאָר बाकी H7605
מְדִינוֹת प्रान्तों-में H4082
הַמֶּלֶךְ राजा-के H4428
מֶה क्या H4100
עָשׂוּ किया-है-उन्होंने
וּמַה־ अब-क्या-है H4100
שְּׁאֵלָתֵךְ तेरी-याचना H7596
וְיִנָּתֵן और-दी-जाएगी H5414
לָךְ तुझे
וּמַה־ या-क्या-है H4100
בַּקָּשָׁתֵךְ तेरी-बिनती H1246
עוֹד और H5750
וְתֵעָשׂ׃ और-की-जाएगी

> उसने महारानी एस्तेर से कहा, “शूशन नगर में यहूदियों ने पाँच सौ व्यक्तियों को मार डाला है तथा उन्होंने शूशन में हामान के दस पुत्रों की भी हत्या कर दी है। कौन जाने राजा के अन्य प्रांतों में क्या हो रहा है? अब मुझे बताओ तुम और क्या कराना चाहती हो? जो कहो मैं उसे पूरा कर दूँगा।”

13
וַתֹּאמֶר और-कहा H0559
אֶסְתֵּר एस्तेर-ने H0635
אִם־ यदि
עַל־ को
הַמֶּלֶךְ राजा H4428
טוֹב अच्छा-लगे
יִנָּתֵן दी-जाए H5414
גַּם־ भी H1571
מָחָר कल H4279
לַיְּהוּדִים यहूदियों-को H3064
אֲשֶׁר जो
בְּשׁוּשָׁן शूशन-में-हैं H7800
לַעֲשׂוֹת फिर-से-करने-को
כְּדָת आज्ञा-के-अनुसार H1881
הַיּוֹם आज-के H3117
וְאֵת और H0853
עֲשֶׂרֶת दस H6235
בְּנֵי־ पुत्रों
הָמָן हामान-के H2001
יִתְלוּ लटकाए-जाएं H8518
עַל־ पर
הָעֵץ׃ फाँसी H6086

> एस्तेर ने कहा, “यदि ऐसा करने के लिये महाराज प्रसन्न हैं तो यहूदियों को यह करने की अनुमति दी जाये: शूशन में कल भी यहूदियों को राजा की आज्ञा पूरी करने दी जाये, और हामान के दसों पुत्रों को फाँसी के खम्भे पर लटका दिया जाये।”

14
וַיֹּאמֶר — H0559
הַמֶּלֶךְ — H4428
לְהֵעָשׂוֹת किया जाना
כֵּן ऐसा
וַתִּנָּתֵן और-जारी किया गया H5414
דָּת आज्ञा H1881
בְּשׁוּשָׁן शूशन में H7800
וְאֵת और H0853
עֲשֶׂרֶת दस H6235
בְּנֵי־ पुत्रों को
הָמָן हामान-के H2001
תָּלוּ׃ उन्होंने लटकाया H8518

> सो राजा ने यह आदेश दे दिया कि शूशन में कल भी राजा का यह आदेश लागू रहे और उन्होंने हामान के दसों पुत्रों को फाँसी पर लटका दिया।

15
וַיִּקָּהֲלוּ और-इकट्ठे हुए H6950
]היהודיים[यहूदी H3064
)הַיְּהוּדִים(यहूदी H3064
אֲשֶׁר־ जो
בְּשׁוּשָׁן शूशन में थे H7800
גַּם फिर H1571
בְּיוֹם दिन को H3117
אַרְבָּעָה चौदहवें H0702
עָשָׂר और दस H6240
לְחֹדֶשׁ महीने-के H2320
אֲדָר अदार-के H0143
וַיַּהַרְגוּ और-मारा H2026
בְשׁוּשָׁן शूशन में H7800
שְׁלֹשׁ तीन H7969
מֵאוֹת सौ H3967
אִישׁ पुरुष H0376
וּבַבִּזָּה परन्तु-लूट पर H0961
לֹא नहीं H3808
שָׁלְחוּ उन्होंने डाला H7971
אֶת־ – H0853
יָדָם׃ हाथ H3027

> आदार महीने की चौदहवीं तारीख को शूशन में यहूदी एकत्रित हुए। फिर उन्होंने वहाँ तीन सौ पुरुषों को मौत के घाट उतार दिया किन्तु उन्होंने उन तीन सौ लोगों की सम्पत्ति को नहीं लिया।

16
וּשְׁאָר और-शेष H7605
הַיְּהוּדִים यहूदियों-ने H3064
אֲשֶׁר जो
בִּמְדִינוֹת प्रान्तों में H4082
הַמֶּלֶךְ राजा-के H4428
נִקְהֲלוּ इकट्ठे हुए H6950
וְעָמֹד और-बचाव किया H5975
עַל־ -के लिए
נַפְשָׁם अपने प्राणों H5315
וְנוֹחַ और-चैन पाया H5118
מֵאֹיְבֵיהֶם अपने शत्रुओं-से H0341
וְהָרֹג और-मारा H2026
בְּשֹׂנְאֵיהֶם अपने बैरियों में से H8130
חֲמִשָּׁה पचहत्तर H2568
וְשִׁבְעִים और सत्तर H7657
אָלֶף हज़ार H0505
וּבַבִּזָּה परन्तु-लूट पर H0961
לֹא नहीं H3808
שָׁלְחוּ उन्होंने डाला H7971
אֶת־ – H0853
יָדָם׃ हाथ H3027

उसी अक्सर पर राजा के अन्य प्रांतों में रहने वाले यहूदी भी परस्पर एकत्र हुए। वे इसलिए एकत्र हुए कि अपना बचाव करने के लिये वे पर्याप्त बलशाली हो जायें और इस तरह उन्होंने अपने शत्रुओं से छुटकारा पा लिया। यहूदियों ने अपने पचहत्तर हजार शत्रुओं को मौत के घाट उतार दिया। किन्तु उन्होंने जिन शत्रुओं की हत्या की थी, उनकी किसी भी वस्तु को ग्रहण नहीं किया।

17

בְּיוֹם־	שְׁלֹשָׁה	עָשָׂר	לְחֹדֶשׁ	אֲדָר	וְנוֹחַ	בְּאַרְבָּעָה	עָשָׂר	בּוֹ	וְעָשָׂה
दिन को	तेरहवें	और दस	महीने-के	अदार-के	और-उन्होंने विश्राम किया	चौदहवें	और दस	उसी-में	और-बनाया
H3117	H7969	H6240	H2320	H0143	H5117	H0702	H6240		

אֹתוֹ	יוֹם	מִשְׁתֶּה	וְשִׂמְחָה׃
उसे	दिन	भोज-का	और-आनन्द
H0853	H3117	H4960	H8057

यह अदार नाम के महीने की तेरहवीं तारीख को हुआ और फिर चौतहवीं तारीख को यहूदियों ने विश्राम किया। यहूदियों ने उस दिन को एक खुशी भरे छुट्टी के दिन के रूप में बना दिया।

18

[והיהודיים	וְהַיְהוּדִים)	אֲשֶׁר־	בְּשׁוּשָׁן	נִקְהֲלוּ	בִּשְׁלֹשָׁה	עָשָׂר	וּבְאַרְבָּעָה	עָשָׂר
परन्तु-यहूदी	परन्तु-यहूदी	जो	शूशन में थे	इकट्ठे हुए	तेरहवें	और दस	और-चौदहवें	और दस
H3064	H3064		H7800	H6950	H7969	H6240	H0702	H6240

בּוֹ	עָשָׂר	בַּחֲמִשָּׁה	וְנוֹחַ	בּוֹ	וְעָשָׂה	אֹתוֹ	יוֹם	מִשְׁתֶּה	וְשִׂמְחָה׃
उसी-में	और दस	पन्द्रहवें	और-उन्होंने विश्राम किया	उसी-में	और-बनाया	उसे	दिन	भोज-का	और-आनन्द
	H6240	H2568	H5117			H0853	H3117	H4960	H8057

आदार महीने की तेरहवीं तारीख को शूशन में यहूदी परस्पर एकत्र हुए। फिर पन्द्रहवीं तारीख को उन्होंने विश्राम किया। उन्होंने पन्द्रहवीं तारीख को फिर एक खुशी भरी छुट्टी का दिन बना दिया।

19

עַל־	כֵּן	הַיְהוּדִים	[הפרוזים	הַפְּרָזִים)	הַיֹּשְׁבִים	בִּפְרָזוֹת	עֹשִׂים	אֶת	יוֹם
—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
		H3064	H6521	H6521	H3427	H6519		H0853	H3117

אַרְבָּעָה	עָשָׂר	לְחֹדֶשׁ	אֲדָר	שִׂמְחָה	וּמִשְׁתֶּה	וְיוֹם	טוֹב	וּמִשְׁלוֹחַ	מָנוֹת	אִישׁ
—	—	—	अदार-के	आनन्द	और-भोज	और-जैसे	शुभ दिन	और-भेजने	उपहार	एक
H0702	H6240	H2320	H0143	H8057	H4960	H3117			H4490	H0376

לְרֵעֵהוּ׃	פ
दूसरे को	–
H7453	

इसी कारण उस ग्राम्य प्रदेश के छोटे छोटे गाँवों में रहने वाले यहूदियों ने चौदहवीं तारीख को खुशियों भरी छुट्टी के रूप में रखा। उस दिन उन्होंने आपस में एक दूसरे को भोज दिये।

20

וַיִּכְתֹּב	מָרְדֳּכַי	אֶת־	הַדְּבָרִים	הָאֵלֶּה	וַיִּשְׁלַח	סְפָרִים	אֶל־	כָּל־	הַיְהוּדִים	אֲשֶׁר
और-लिखा	मर्दकै-ने	–	बातें	ये	और-भेजा	पत्र	-को	सब	यहूदियों	जो
H3789	H4782	H0853	H1697	H0428	H7971		H0413	H3605	H3064	

בְּכָל־	מְדִינוֹת	הַמֶּלֶךְ	אֲחַשְׁוֵרוֹשׁ	הַקְּרוֹבִים	וְהָרְחוֹקִים׃
सब में	प्रान्तों	राजा-के	अहश्वेरोश	निकट	और-दूर
H3605	H4082	H4428	H0325	H7138	H7350

जो कुछ घटा था, उसकी हर बात को मोर्दकै ने लिख लिया और फिर उसे महाराजा क्षयर्ष के सभी प्रांतों में बसे यहूदियों को एक पत्र के रूप में भेज दिया। दूर पास सब कहीं उसने पत्र भेजें।

21

לְקַיֵּם	עֲלֵיהֶם	לִהְיוֹת	עֹשִׂים	אֶת	יוֹם	אַרְבָּעָה	עָשָׂר	לְחֹדֶשׁ	אֲדָר	וְאֶת
स्थापित करने	उनके बीच	कि वे	मनाएँ	–	दिन	चौदहवाँ	और दस	महीने-के	अदार-के	और
		H1961		H0853	H3117	H0702	H6240	H2320	H0143	H0853

יוֹם־	חֲמִשָּׁה	עָשָׂר	בּוֹ	בְּכָל־	שָׁנָה	וְשָׁנָה׃
दिन	पन्द्रहवाँ	और दस	उसी-में	प्रति-वर्ष	समूची-आयु	और-वार्षिक
H3117	H2568	H6240		H3605	H8141	H8141

मोर्दकै ने यहूदियों को यह बताने के लिए ऐसा किया कि वे हर साल अदार महीने की चौदहवीं और पन्द्रहवीं तारीख को पूरीम का उत्सव मनाया करें।

22

כַּיָּמִים	जैसे-दिनों	H3117
אֲשֶׁר־	जिन पर	
נָחוּ	विश्राम पाया	H5117
בָהֶם	उनमें	
הַיְּהוּדִים	यहूदियों-ने	H3064
מֵאֹויְבֵיהֶם	अपने शत्रुओं-से	H0341
וְהַחֹדֶשׁ	और-जैसे महीना	H2320
אֲשֶׁר	जो	
נֶהְפַּךְ	पलट गया	H2015
לָהֶם	उनके लिए	H1992
מִיָּגוֹן	शोक-से	H3015
לְשִׂמְחָה	आनन्द में	H8057
וּמֵאֵבֶל	और-विलाप-से	H0060
לְיוֹם	-में	H3117
טוֹב	शुभ दिन	
לַעֲשׂוֹת	कि वे बनाएँ	
אוֹתָם	उन्हें	H0853
יְמֵי	दिन	H3117
מִשְׁתֶּה	भोज-के	H4960
וְשִׂמְחָה	और-आनन्द	H8057
וּמִשְׁלוֹחַ	और-भेजने	
מָנוֹת	उपहार	H4490
אִישׁ	एक	H0376
לְרֵעֵהוּ	दूसरे को	H7453
וּמַתָּנוֹת	और-दान	H4979
לָאֶבְיוֹנִים׃	गरीबों को	H0034

यहूदियों को इन दिनों को पर्व के रूप में इसलिए मनाना था कि उन्हीं दिनों यहूदियों ने अपने शत्रुओं से छुटकारा पाया था। उन्हें उस महीने को इसलिए भी मनाना था कि यही वह महीना था जब उनका दु:ख उनके आनन्द में बदल गया था। वही यह महीना था जब उनका रोना—धोना एक उत्सव के दिन के रूप में बदल गया था। मोर्दकै ने सभी यहूदियों को पत्र लिखा। उसने उन लोगों से कहा कि वे उन दिनों को उत्सव के रूप में मनाएँ। यह समय एक ऐसा समय हो जब लोग आपस में एक दूसरे को उत्तम भोजन अर्पित करें तथा गरीब लोगों को उपहार दें।

23

וְקִבֵּל	तो-स्वीकार किया	H6901
הַיְּהוּדִים	यहूदियों-ने	H3064
אֵת	-	H0853
אֲשֶׁר־	जो	
הֵחֵלּוּ	उन्होंने आरंभ किया था	
לַעֲשׂוֹת	रीति	
וְאֵת	और	H0853
אֲשֶׁר־	जैसा	
כָּתַב	लिखा था	H3789
מָרְדֳּכַי	मर्दकै-ने	H4782
אֲלֵיהֶם׃	उनको	H0413

इस प्रकार मोर्दकै ने यहूदियों को जो लिखा था, वे उसे मानने को तैयार हो गये। वे इस बात पर सहमत हो गये कि उन्होंने जिस उत्सव का आरम्भ किया है, वे उसे मनाते रहेंगे।

24

כִּי	—	
הָמָן	—	H2001
בֶּן־	—	
הַמְּדָתָא	—	H4099
הָאֲגָגִי	—	H0091
צֹרֵר	—	
כָּל־	—	H3605
הַיְּהוּדִים	—	H3064
חָשַׁב	—	H2803
עַל־	—	
הַיְּהוּדִים	—	H3064
לְאַבְּדָם	—	H0006
וְהִפִּל	—	H5307
פּוּר	—	H6332
הוּא	—	H1931
הַגּוֹרָל	—	H1486
לְהֻמָּם	—	H2000
וּלְאַבְּדָם׃	और-नाश करने	H0006

हम्मदाता अगागी का पुत्र हामान यहूदियों का शत्रु था। उसने यहूदियों के विनाश के लिए एक षड़यन्त्र रचा था। हामान ने यहूदियों को नष्ट और बर्बाद कर डालने के लिए कोई एक दिन निश्चित करने के वास्ते पासा भी फेंका था। उन दिनों इस पासे को "पुर" कहा जाता था। इसीलिए इस उत्सव का नाम "पूरीम" रखा गया।

25

וּבְבֹאָהּ	परन्तु-जब वह आई	H0935
לִפְנֵי	-के सामने	H6440
הַמֶּלֶךְ	राजा	H4428
אָמַר	उसने आज्ञा दी	H0559
עִם־	-द्वारा	
הַסֵּפֶר	पत्र	
יָשׁוּב	लौटाई जाए	H7725
מַחֲשַׁבְתּוֹ	योजना	H4284
הָרָעָה	दुष्ट	
אֲשֶׁר־	जो	
חָשַׁב	उसने सोची थी	H2803
עַל־	-के विरुद्ध	
הַיְּהוּדִים	यहूदियों	H3064
עַל־	-पर	
רֹאשׁוֹ	उसके सिर	
וְתָלוּ	और-लटकाया गया	H8518
אֹתוֹ	उसे	H0853
וְאֶת־	और	H0853
בָּנָיו	उसके पुत्रों को	
עַל־	-पर	
הָעֵץ׃	फाँसी	H6086

किन्तु एस्तेर राजा के पास गयी और उसने उससे बातचीत की। इसीलिये राजा ने नये आदेश जारी कर दिये। यहूदियों के विरुद्ध हामान ने जो षड़यन्त्र रचा था, उसे रोकने के लिये राजा ने अपने आदेश पत्र जारी किये। राजा ने उन ही बुरी बातों को हामान और उसके परिवार का साथ घटा दिया। उन आदेशों में कहा गया था कि हामान और उसके पुत्रों को फाँसी पर लटका दिया जाये।

26
עַל־ इसलिए
כֵּן उसके बाद
קָרְאוּ उन्होंने बुलाया H7121
לַיָּמִים दिनों को H3117
הָאֵלֶּה इन H0428
פוּרִים पूरीम H6332
עַל־ -पर
שֵׁם नाम H8034
הַפּוּר पूर-के H6332
עַל־ इसलिए
כֵּן तब
עַל־ कारण
כָּל־ सब H3605
דִּבְרֵי बातों-के H1697
הָאִגֶּרֶת पत्र-के H0107
הַזֹּאת इस H2063
וּמָה־ और-जो H4100
רָאוּ उन्होंने देखा था H7200
עַל־ विषय में
כָּכָה इस H3602
וּמָה और-जो H4100
הִגִּיעַ घटित हुआ था H5060
אֲלֵיהֶם׃ उनको H0413

> इसलिये ये दिन कहलाये। “पूरीम” नाम “पूर” शब्द से बना है (जिसका अर्थ है लाटरी) और इसलिए यहूदियों ने हर वर्ष इन दो दिनों को उत्सव के रूप में मनाने की शुरुआत करने का निश्चय किया। उन्होंने यह इसलिए किया ताकि अपने साथ होते हुए जो बातें उन्होंने देखी थी, उन्हें याद रखने में उनको मदद मिले। यहूदियों और उन दूसरे सभी लोगों को, जो यहूदियों में आ मिले थे, हर साल इन दो दिनों को ठीक उसी रीति और उसी समय मनाना था जिसका निर्देश मोर्दकै ने अपने आदेशपत्र में किया था।

27
קִיְּמוּ स्थापित किया
]וקבל[और-लागू किया H6901
)וְקִבְּלוּ(और-लागू किया H6901
הַיְּהוּדִים यहूदियों-ने H3064
עֲלֵיהֶם अपने ऊपर
וְעַל־ और
זַרְעָם अपनी सन्तान H2233
וְעַל और
כָּל־ सब H3605
הַנִּלְוִים जो जुड़ेंगे
עֲלֵיהֶם उनसे
וְלֹא कि H3808
יַעֲבוֹר बिना चूक
לִהְיוֹת वे H1961
עֹשִׂים मनाएँ
אֵת – H0853
שְׁנֵי दो H8147
הַיָּמִים दिन H3117
הָאֵלֶּה ये H0428
כִּכְתָבָם लिखित निर्देशों-के अनुसार H3791
וְכִזְמַנָּם और-निर्धारित समय-के अनुसार H2165
בְּכָל־ प्रति H3605
שָׁנָה वर्ष H8141
וְשָׁנָה׃ और-वर्ष H8141

> इसलिये ये दिन कहलाये। “पूरीम” नाम “पूर” शब्द से बना है (जिसका अर्थ है लाटरी) और इसलिए यहूदियों ने हर वर्ष इन दो दिनों को उत्सव के रूप में मनाने की शुरुआत करने का निश्चय किया। उन्होंने यह इसलिए किया ताकि अपने साथ होते हुए जो बातें उन्होंने देखी थी, उन्हें याद रखने में उनको मदद मिले। यहूदियों और उन दूसरे सभी लोगों को, जो यहूदियों में आ मिले थे, हर साल इन दो दिनों को ठीक उसी रीति और उसी समय मनाना था जिसका निर्देश मोर्दकै ने अपने आदेशपत्र में किया था।

28
וְהַיָּמִים और-दिन H3117
הָאֵלֶּה ये H0428
נִזְכָּרִים स्मरण किए जाएँ H2142
וְנַעֲשִׂים और-मनाए जाएँ
בְּכָל־ प्रति H3605
דּוֹר पीढ़ी H1755
וָדוֹר और-पीढ़ी H1755
מִשְׁפָּחָה परिवार H4940
וּמִשְׁפָּחָה और-प्रति परिवार H4940
מְדִינָה प्रति H4082
וּמְדִינָה और-प्रति प्रान्त H4082
וְעִיר और
וָעִיר प्रति नगर
וִימֵי कि-दिन H3117
הַפּוּרִים पूरीम-के H6332
הָאֵלֶּה ये H0428
לֹא नहीं H3808
יַעַבְרוּ चूकें
מִתּוֹךְ -में से H8432
הַיְּהוּדִים यहूदियों H3064
וְזִכְרָם और-उनकी स्मृति H2143
לֹא־ नहीं H3808
יָסוּף मिटे H5486
מִזַּרְעָם׃ उनकी सन्तान में से H2233
ס –

> ये दो दिन हर पीढ़ी को और हर परिवार को याद रखने चाहिए और मनाये जाना चाहिए। इन्हें हर प्रांत और हर नगर में निश्चयपूर्वक मनाया जाना चाहिए। यहूदियों को इन्हें मनाना कभी नहीं छोड़ना चाहिए। यहूदियों के वंशजों को चाहिए कि वे पूरीम के इन दो दिनों को मनाना सदा याद रखें।

29
וַתִּכְתֹּב — H3789
אֶסְתֵּר — H0635
הַמַּלְכָּה — H4436
בַת־ — H1323
אֲבִיחַיִל — H0032
וּמָרְדֳּכַי और-मर्दकै H4782
הַיְּהוּדִי यहूदी H3064
אֶת־ -के साथ H0854
כָּל־ पूर्ण H3605
תֹּקֶף अधिकार H8633
לְקַיֵּם पुष्टि करने
אֵת – H0853
אִגֶּרֶת पत्र विषय में H0107
הַפֻּרִים पूरीम-के H6332
הַזֹּאת इस H2063
הַשֵּׁנִית׃ दूसरे H8145

> पूरीम के बारे में सुनिश्चित करने के लिये महारानी एस्तेर और यहूदी मोर्दकै ने यह दूसरा पत्र लिखा। एस्तेर अबीहैल की पुत्री थी। वह पत्र सच्चा था, इसे प्रमाणित करने के लिये उन्होंने इसे राजा के सम्पूर्ण अधिकार के साथ लिखा।

30

מַלְכוּת	מְדִינָה	וּמֵאָה	וְעֶשְׂרִים	שֶׁבַע	אֶל־	הַיְהוּדִים	כָּל־	אֶל־	סְפָרִים	וַיִּשְׁלַח
राज्य-के	प्रान्तों	और सौ	और बीस	सात	-को	यहूदियों	सब	-को	पत्र	और-भेजा
H4438	H4082	H3967	H6242	H7651	H0413	H3064	H3605	H0413		H7971

וֶאֱמֶת׃	שָׁלוֹם	דִּבְרֵי	אֲחַשְׁוֵרוֹשׁ
और-सत्य	शान्ति-के	वचन	अहश्वेरोश
H0571	H7965	H1697	H0325

सो महाराजा क्षयर्ष के राज्य के एक सौ सत्ताईस प्रांतों में सभी यहूदियों के पास मोर्दकै ने पत्र भिजवाये। मोर्दकै ने शांति और सत्य का एक सन्देश लिखा।

31

עֲלֵיהֶם	קָיַם	כַּאֲשֶׁר	בִּזְמַנֵּיהֶם	הָאֵלֶּה	הַפֻּרִים	יְמֵי	אֶת־	לְקַיֵּם
उनके लिए	निर्धारित किया था	जैसा	उनके निर्धारित समयों पर	ये	पूरीम-के	दिन	-	पुष्टि करने
			H2165	H0428	H6332	H3117	H0853	

זַרְעָם	וְעַל־	נַפְשָׁם	עַל־	קִיְּמוּ	וְכַאֲשֶׁר	הַמַּלְכָּה	וְאֶסְתֵּר	הַיְהוּדִי	מָרְדֳּכָי
अपनी सन्तान	और	अपने आप	-के लिए	उन्होंने आदेश दिया था	और-जैसा	रानी	और-एस्तेर	यहूदी	मर्दकै-ने
H2233		H5315				H4436	H0635	H3064	H4782

וְזַעֲקָתָם׃	הַצּוֹמוֹת	דִּבְרֵי
और-विलाप	उपवास-के	विषयों में
H2201	H6685	H1697

मोर्दकै ने पूरीम के उत्सव को शुरु करने के बारे में लिखा। इन दिनों को उनके निश्चित समय पर ही मनाया जाना था। यहूदी मोर्दकै और महारानी एस्तेर ने इन दो दिन के उत्सव को अपने लिये और अपनी संतानों के लिए निर्धारित किया। उन्होंने ये दो दिन निश्चित किये ताकि यहूदी उपवास और विलाप करें।

32

פ	בַּסֵּפֶר׃	וְנִכְתָּב	הָאֵלֶּה	הַפֻּרִים	דִּבְרֵי	קַיָּם	אֶסְתֵּר	וּמַאֲמַר
-	पुस्तक में	और-लिखा गया	ये	पूरीम-के	विषयों	पुष्टि किया	एस्तेर-की	तो-आज्ञा
		H3789	H0428	H6332	H1697		H0635	H3982

एस्तेर के पत्र ने पूरीम के विषय में इन नियमों की स्थापना की और पूरीम के इन नियमों को पुस्तकों में लिख दिया गया।